

## भारत और उत्तरी समुद्री मार्ग

### प्रलम्बिस् के लयि:

आर्कटिक क्षेत्र, उत्तरी समुद्री मार्ग, [भारत की ऊर्जा सुरक्षा](#), [संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य](#), [हमालय](#), [सवेज नहर](#), [चेन्नई-वलादविस्तोक पूरवी समुद्री गलयिरा](#)

### मेन्स के लयि:

भारत और उत्तरी समुद्री मार्ग

[स्रोत: द हट्टि](#)

## चर्चा में क्यौं?

[आर्कटिक क्षेत्र](#) की राजधानी तथा [उत्तरी समुद्री मार्ग \(Northern Sea Route- NSR\)](#) का प्रारंभिक बट्टि कहे जाने वाले मूरमान्स्क (Murmansk) में कार्गो यातायात में भारतीय भागीदारी की बढती प्रवृत्त देखी जा रही है ।

- वर्ष 2023 के पहले सात महीनों में भारत को मूरमान्स्क बंदरगाह द्वारा संभाले गए आठ मलियन टन कार्गो का 35% हसिसा मला, जो मॉस्को (Moscow), रूस से लगभग 2,000 कमी. उत्तर पश्चिम में है ।

## भारत के लयि आर्कटिक का महत्त्व:

- अपरयुक्त हाइड्रोकार्बन भंडार:**
  - यह क्षेत्र पृथ्वी पर शेष हाइड्रोकार्बन के लयि सबसे बडा अज्ञात संभावति क्षेत्र है । अनुमान है क इस क्षेत्र में तेल और गैस के मौजूदा वैश्विक भंडार का 40% से अधिक हो सकता है ।
  - इस क्षेत्र में कोयला, जपिसम तथा हीरे के समृद्ध भंडार हैं और जस्ता, सीसा, प्लसर सोना तथा क्वार्टज के भी पर्याप्त भंडार हैं ।
    - अतः आर्कटिक संभावति रूप से [भारत की ऊर्जा सुरक्षा](#) जरूरतों और रणनीतिक तथा दुर्लभ पृथ्वी खनजिों की कमी को संबोधति कर सकता है ।
    - हालाँकि सरकार की वर्ष 2022 की आर्कटिक नीति में उल्लेख कया गया है क क्षेत्र के आर्थिक विकास के लयि देश का दृष्टिकोण [संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों](#) द्वारा नरिदेशति है ।
- भारत की ऐतहासिक भागीदारी:**
  - आर्कटिक के साथ भारत का जुड़ाव वर्ष 1920 में [स्वालबार्ड संधि](#) पर हस्ताक्षर करने के समय से है ।
  - भारत ने इस क्षेत्र में [वायुमंडलीय](#), [जैविक](#), [समुद्री](#), [जल वज्जान](#) और [हमिनद वज्जान](#) संबंधी अध्ययनों पर ध्यान केंद्रति करते हुए विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययन और अनुसंधान कये हैं ।
  - हमिादर् अनुसंधान स्टेशन, मल्टी-सेंसर मूरड वेधशाला और उत्तरी वायुमंडलीय प्रयोगशाला जैसी पहल आर्कटिक अनुसंधान के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं ।
    - वर्ष 2013 में आर्कटिक परिषद का पर्यवेक्षक-राज्य बनने से [भारत की आर्कटिक उपस्थिति](#) मजबूत हुई ।
- भौगोलिक महत्त्व:**
  - आर्कटिक दुनिया की [समुद्री धाराओं](#) को प्रसारति करने, ठंडे और गर्म पानी को दुनिया भर में ले जाने में सहायता करता है ।
  - इसके अलावा आर्कटिक समुद्री बर्फ ग्रह के शीर्ष पर एक विशाल सफेद परावर्तक के रूप में कार्य करता है, जो सूर्य की कुछ करिणों को वापस अंतरिक्ष में भेजता है, जसिसे पृथ्वी को एक समान तापमान पर रखने में सहायता मलतिती है ।
- पर्यावरणीय महत्त्व:**
  - आर्कटिक और [हमालय](#) हालाँकि भौगोलिक रूप से दूर हैं, आपस में जुड़े हुए हैं और समान चतिाँ साझा करते हैं ।
    - आर्कटिक का पघिलना [वैज्ञानिक समुदाय को हमालय में हमिनदों के पघिलने को बेहतर ढंग से समझने में मदद कर रहा है](#) , जसि अक्सर 'तीसरा ध्रुव' कहा जाता है तथा उत्तरी एवं दक्षिणी ध्रुवों के बाद इसमें सबसे बडा मीठे पानी का भंडार है ।
    - इसलये आर्कटिक का अध्ययन भारतीय वैज्ञानिकों के लयि महत्त्वपूर्ण है । इसी क्रम में भारत ने वर्ष 2007 में आर्कटिक

महासागर में अपना पहला वैज्ञानिक अभियान शुरू किया तथा स्वालबार्ड द्वीप समूह (Svalbard archipelago, Norway) में **हिमाद्री अनुसंधान आधार** खोला और तब से सक्रिय रूप से वहाँ अनुसंधान में पर्यासरत है।

## उत्तरी समुद्री मार्ग (NSR):

### ■ परिचय:

- यूरोप और **एशिया-प्रशांत** क्षेत्र के देशों के बीच माल परिवहन के लिये NSR सबसे छोटा शिपिंग मार्ग है, जो **आर्कटिक महासागर** के चार समुद्रों (बैरेंट्स, कारा, लापतेव और पूर्वी साइबेरियाई सागर) तक फैला हुआ है।
- 5,600 किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ यह मार्ग बैरेंट्स और कारा समुद्र (कारा जलसंधि) के बीच की सीमा से शुरू होता है तथा बेरिंग जलसंधि (प्रोव्डिनिया खाड़ी) में जा कर रुकता है।
- यह **सुवेज़** अथवा पनामा नहरों के माध्यम से पारंपरिक मार्गों की तुलना में 50% तक की संभावित दूरी को कम करता है।
  - वर्ष 2021 में **सुवेज़ नहर के अवरुद्ध** होने की घटना ने वैकल्पिक व्यापार मार्ग के रूप में NSR के विकास के विचार को गति प्रदान की है।

### ■ NSR के विकास में रूस की भूमिका:

- आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ की अधिकता के कारण NSR के साथ सुरक्षा निवेशन के लिये बर्फ को हटाने के कार्य में सहायता की आवश्यकता होती है। रूस का दावा है कि उसके पास विश्व भर के एकमात्र परमाणु-संचालित आइसब्रेकर बड़े हैं, इसके सहारे वह इनका वर्ष भर संचालन सुनिश्चित करता है। **NSR इंफ्रास्ट्रक्चर ऑपरेटर रोसाटॉम** इस बड़े की देख-रेख का कार्य करता है।
- NSR के कार्गो यातायात को बढ़ाने की रूस की महत्वाकांक्षी योजनाओं के साथ **इसका परमाणु आइसब्रेकर बेड़ा इस परियोजना के केंद्र में बना हुआ है।**

### ■ भारत की NSR भागीदारी के लिये प्रेरक कारक:

- वर्ष 2018-2022 के दौरान लगभग **73% की वृद्धि** के साथ NSR के साथ कार्गो यातायात में **वृद्धि** भारत द्वारा **रूसी कच्चे तेल और कोयले के बढ़ते आयात के अनुरूप** है।
- पारगमन मार्ग के रूप में **NSR की क्षमता** भारत की **व्यापार-केंद्रित अर्थव्यवस्था** के लिये भी उपयुक्त है।
- **चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा (Chennai-Vladivostok Maritime Corridor- CVMC)** परियोजना **एक लघु और कुशल व्यापार मार्ग** प्रदान करती है।
- इसके अतिरिक्त भारत NSR पर **चीन और रूस के संभावित सामूहिक प्रभाव को संतुलित** करना चाहता है।

### ■ भविष्य में होने वाले विकास और सहयोग:

- वर्ष 2035 तक रूस के NSR पर कार्गो यातायात में **उल्लेखनीय वृद्धि** होने की उम्मीद है। NSR के माध्यम से भारत और रूस को जोड़ने के लिये **डिज़ाइन की गई CVMC परियोजना**, परिवहन समय को कम करने तथा व्यापार दक्षता को बढ़ाने में काफी मदद करेगी।
- दोनों देशों के बीच आगामी कार्यशाला से CVMC परियोजना को आगे बढ़ाने के लिये एक मंच उपलब्ध होने की उम्मीद है।

## आगे की राह

- आर्कटिक क्षेत्र में भारत की भागीदारी और NSR में इसकी बढ़ती भागीदारी **आर्थिक सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता तथा व्यापार दक्षता** में इसके रणनीतिक हितों को रेखांकित करती है।
- जैसे-जैसे आर्कटिक में परिवर्तन जारी है, इस क्षेत्र में भारत की भूमिका बढ़ने की संभावना है, जिससे वैश्विक मंच पर इसके आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों को आकार मेलिगा।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????:**

प्रश्न. कभी-कभी खबरों में देखने वाला शब्द 'इंडार्क' (IndARC) का नाम है: (वर्ष 2015)

- (a) भारतीय रक्षा में शामिल किया गया एक स्वदेशी रूप से विकसित रडार प्रणाली
- (b) हिंद महासागर रमि के देशों को सेवाएँ प्रदान करने के लिये भारत का उपग्रह
- (c) अंटार्कटिक क्षेत्र में भारत द्वारा स्थापित एक वैज्ञानिक प्रतष्ठान
- (d) आर्कटिक क्षेत्र का वैज्ञानिक रूप से अध्ययन करने के लिये पानी के नीचे भारत की वेधशाला

उत्तर: (d)

**??????:**

प्रश्न. आर्कटिक क्षेत्र के संसाधनों में भारत क्यों रुचिले रहा है? (2018)

प्रश्न. आर्कटिक सागर में तेल की खोज और इसके संभावित पर्यावरणीय परिणामों के आर्थिक महत्त्व क्या हैं? (2015)

